भारत की अपने तन -मन-धन से सेवा करनी
श्रीमत पर स्वराज्य लानी
क्योंकि तुम मोस्ट वैल्युएबल सर्वेंट हो
 भारत को पावन भूमि बनाते हो
 भारत को रावण की जेल से छुड़ाना
होती यही आलौकिक सेवा
हाईएस्ट बापदादा की तरह सिम्पुल बनना
बाप का फर्स्ट क्लास ज्ञान का चिंतन करना
 प्रालब्ध के लिये पुरुषार्थ जरूर करना
मास्टर दुःख हर्ता, सुख कर्ता का पार्ट बजाओ
 माहादान करो, दाता बनो ,वरदानी बनो
अपनी रचना की दुःख अशांति की समस्या
समाप्त करो
योद्धे नही, योगी बनो
अनुभूति नहीं माना युद्ध की स्टेज

मेरा बाबा!!!
ॐ शांति!!!